पाठ 11. चंद्रशेखर आज़ाद

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। स्वाधीनता संग्राम में क्रांतिकारियों के योगदान और उनकी कुर्बानियों को उभारकर दिखाने वाला यह पाठ चंद्रशेखर आज़ाद के किशोर जीवन के देशप्रेम की एक झलक प्रस्तुत करता है।

पाठ का सार

चंद्रशेखर आज़ाद की उम्र उस समय लगभग सोलह वर्ष की थी जब उन्हें देशप्रेम के आरोप में अपराधी के रूप में मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत किया गया। उस समय चंद्रशेखर ने अपना घर बताया 'जेलखाना' और अपना नाम बताया 'आज़ाद'। देशभर में क्रांतिकारियों को प्रेरणा देने वाले, उन्हें एकजुट करने वाले चंद्रशेखर आज़ाद ने जेल के भीतर अनेक यातनाएँ सहीं, लेकिन कभी उफ़ तक नहीं की। गांधी जी के अहिंसात्मक आंदोलन पर से चंद्रशेखर का विश्वास उठ चुका था। उन्होंने सरकार की नाक में दम कर दिया। एक भेदी ने पुलिस को बता दिया कि इस समय आज़ाद कहाँ है। पुलिस ने आज़ाद को पकड़ना चाहा, लेकिन यह वीर जीते जी पुलिस के हाथ नहीं आया और अपनी बंदूक की अंतिम गोली से स्वयं आज़ाद होकर देश के लिए कुर्बान हो गए।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  पाठ की भूमिका प्रसंगसहित बताएँ। भारत की आज़ादी के लिए हुए संघर्ष की चर्चा करें। चंद्रशेखर आज़ाद की जीवनी संक्षेप में बताएँ। 'अल्फ़्रेड पार्क' में आज़ाद के होने की सूचना अंग्रेज़ अधिकारी को किसने दी थी, इसके बारे में बताएँ। 'नरम दल' और 'गरम दल' के नेताओं और उनके क्रियाकलापों की चर्चा की जा सकती है। क्रांतिकारियों को 'काकोरी कांड' करने की ज़रूरत क्यों पड़ी थी, इसकी जानकारी बच्चों को दें। अदालत की कार्यवाही वाला प्रसंग बच्चों से हाव-भाव के साथ अभिनीत कराएँ। इस प्रसंग में जब 'सिपाही' बना बच्चा 'आज़ाद' बने बच्चे की पीठ पर कोड़े बरसाए तब आज़ाद बना बच्चा कोड़े की मार के साथ दर्द से कराहता हुआ 'वंदे मातरम्' का नारा अवश्य लगाए। इससे पाठ जीवंत हो उठेगा।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 65** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य हिंदी भाषा के व्याकरण-पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - **बे** और **निर्** उपसर्ग हैं। इसके बारे में बच्चों को बताएँ। ये मूल शब्द के शुरू में जुड़कर किस प्रकार का परिवर्तन लाते हैं, इसकी चर्चा करें।
  - **ता** प्रत्यय है। यह मूल शब्द के अंत में जुड़कर भाववाचक संज्ञा बनाता है, यह बताना न भूलें।

- ❖ साधारण वाक्य और प्रश्नवाचक वाक्य की परिभाषा उदाहरण देकर समझाएँ। यह ज़रूर बताएँ कि प्रश्नवाचक वाक्य के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न (?) लगा होता है जबकि साधारण वाक्य के अंत में विराम चिह्न (।) लगा होता है।
- ❖ वाक्य निर्माण छोटे हों और उनमें लिंग व वचन संबंधी अशुद्धियाँ न हों, यह ध्यान रखें।

◗ **क्रियाकलाप के लिए संकेत**

- ❖ बच्चों को सरदार भगतसिंह और रामप्रसाद 'बिस्मिल' से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराएँ।
- ❖ इलाहाबाद ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख शहर है, यह बताएँ।